संवाद लेखन

सारांश

संवाद का अर्थ -

दो व्यक्तियों की बातचीत को 'वार्तालाप' अथवा 'संभाषण' अथवा 'संवाद' कहते हैं।

परिभाषा- दो लोगों में हुई बातचीत को लिखना संवाद-लेखन कहलाता है।

अच्छे संवाद की विशेषता-

संवाद में स्वाभाविकता होनी चाहिए।

पात्रानुकूल भाषा होनी चाहिए.।

एक शिक्षित और उसके साथ संवाद कर रहे अनपढ़ की

भाषा में अंतर नज़र आना चाहिए।

शैली बोलने का तरीका प्रभावशाली होनी चाहिए।

भाषा में जटिलता नहीं होनी चाहिए।

संवाद की भाषा में शालीनता अवश्य होनी चाहिए।

और उनके कुछ उदाहरण-:

दोस्तों के बीच जीवन लक्ष्य को लेकर संवाद लेखन -

अनिल: "तुम दसवीं कक्षा के बाद कौन -सा विषय लेने की सोच रहे हो?"

आदित्य: "मैं तो विज्ञान के विषय पढ़ूंगा।"

अनिल: "क्यों?"

आदित्य: "क्योंकि मैं बड़े होकर एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ। तुम्हारे जीवन का क्या लक्ष्य है?"

अनिल: "मैं एक अध्यापक बनना चाहता हूँ।"

आदित्य: "एक डॉक्टर सबकी सेवा करता है, लोगों के दुःख दर्द दूर करता है। मैं भी बड़े होकर बीमार लोगों की सहायता करना चाहता हूँ।"

अनिल: "मैं विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करके उनके जीवन को उज्जवल बनाना चाहता हूँ।

मेरे विचार में यह सबसे अच्छी मानव सेवा है।"

के बारे में जाना।

अगली बार नए विषय के साथ पुन: मिलेंगे।

धन्यवाद

प्रमाणित कर्ता
उप प्राचार्य
प॰ऊ॰के॰वि॰-1 तारापुर

प्रस्तोता :-
सुरेन्द्र मणिमिश्र प्र॰ स्ना॰ शि॰
प॰ऊ॰के॰वि॰-1 तारापुर